अध्याय विवरण

पृष्ठ संख्या

अध्याय एक–मैत्रेयीपुष्पा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व **02–70**

(क) जीवनवृत्त

1.1 भूमिका

1.2.जीवन परिचय

1.3.पारिवारिक पृष्ठभूमि

1.4.शिक्षा

1.5.वैवाहिक जीवन एवं जीवन दर्शन

1.6.साहित्यिक प्रेरणा

1.7.पुरस्कार एवं सम्मान

(ख) कृतित्व

1.1 रूचियाँ एवं प्रवृत्तियाँ

1.2 मैत्रेयी पुष्पा का रचना संसार

1.3 उपन्यास का संक्षिप्त वर्णन

1.4.कहानियो का संक्षिप्त वर्णन

1.5.आत्मकथा

1.6.नाटक

1.7. काव्य सग्रह

1.6.रीपोर्ताज

1.9.आलेख

1.10 टेलीफिल्म

निष्कर्ष

अध्याय दो–हिन्दी कथा साहित्य में ग्रामीण चेतना **72–97**

2.1 **चेतना का अर्थ एवं स्वरूप**

2.3 ग्रामीण चेतना से तात्पर्य

2.4 हिन्दी उपन्यासों में ग्रामीण चेतना

2.5 हिन्दी कहानियों में ग्रामीण चेतना

निष्कर्ष

अध्याय तीन–(अ)मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में अभिव्यक्त भारतीय ग्रामीण समाज 99–177

(क) भारतीय ग्रामीण समाज की वर्गीय स्थिति

3.1 उच्च वर्ग एवं उच्च वर्गीय मनोवृत्ति

3.2 मध्यवर्ग एवं मध्यवर्गीय मनोवृत्ति

3.3 निम्नवर्ग और निम्नवर्गीय मनोवृत्ति

(ख) भारतीय ग्रामीण समाज में नारी की स्थिति

3.1 प्रेम व दाम्पत्य जीवन

3.2 अनमेल विवाह एवं बाल विवाह

3.3 विधवा समस्या

3.4 वासना का शिकार एवं विद्रोही स्वभाव

3.5 सास–बहू

3.6 माता–पिता पुत्र

3.7 प्रेमी–प्रमिका

3.8 ग्रामीण समाज में पर्दाप्रथा

3.9 दहेज प्रथा

(ब) मैत्रेयीपुष्पा की कहानियों में अभिव्यक्त भारतीय ग्रामीण समाज

(क) भारतीय ग्रामीण समाज की वर्गीय स्थिति

3.1.उच्च वर्ग एवं उच्चवर्गीय मनोवृत्ति

3.2.मध्यवर्ग एवं मध्यवर्गीय मनोवृत्ति

3.3 निम्नवर्ग और निम्नवर्गीय मनोवृत्ति

(ख) भारतीय ग्रामीण समाज में नारी की स्थिति

3.1 प्रेम व दाम्पत्य जीवन

3.2 अनमेल विवाह एवं बाल विवाह

3.3 विधवा समस्या

3.4 वासना का शिकार एवं विद्रोही स्वभाव

3.5 सास–बहू

3.6 माता–पिता पुत्र

3.7 प्रेमी–प्रेमिका

3.8 ग्रामीण समाज में पर्दाप्रथा

3.9 दहेज प्रथा निष्कर्ष

अध्याय चार–मैत्रेयी पुष्पा के कथा साहित्य में ग्रामीण जीवन की आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति 179–239

(क) मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में ग्रामीण जीवन की आर्थिक, धार्मिक राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति

4.1 मैत्रेयीपुष्पा के समय आर्थिक परिस्थितियाँ
4.2 शोषण में सहायक सरकारी कर्मचारी एवं अधिकारी
4.3 शोषक वर्ग का क्रूर अत्याचार
4.4 ऋण समस्या और ग्रामीण जीवन
4.5 मैत्रेयीपुष्पा के समकालीन राजनीतिक परिस्थितियाँ
4.6 मैत्रेयीपुष्पा और गाँधीवाद
4.7 गाँव में सवर्णों की राजनीति
4.8 पंचायत व्यवस्था
4.9 भारतीय संस्कृति एवं ग्रामीण जीवन
4.10 नारी जीवन का आदर्श और ग्रामीण जीवन
4.11 ग्रामीण जीवन और शिक्षा
4.12 ग्रामीण जीवन का रहन–सहन और स्वास्थ्य व्यवस्था

(ख) मैत्रेयी पुष्पा की कहानियों में ग्रामीण जीवन की आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थिति

4.2 मैत्रेयीपुष्पा के समय आर्थिक परिस्थितियाँ
4.2 शोषण में सहायक सरकारी कर्मचारी एवं अधिकारी
4.3 शोषक वर्ग का क्रूर अत्याचार
4.5 ऋण समस्या और ग्रामीण जीवन
4.5 मैत्रेयीपुष्पा के समकालीन राजनीतिक परिस्थितियाँ
4.6 मैत्रेयीपुष्पा और गाँधीवाद
4.8 गाँव में सवर्णों की राजनीति
4.8 पंचायत व्यवस्था
4.9 भारतीय संस्कृति एवं ग्रामीण जीवन
4.10 नारी जीवन का आदर्श और ग्रामीण जीवन
4.11 ग्रामीण जीवन और शिक्षा
4.12 ग्रामीण जीवन का रहन–सहन और स्वास्थ्य व्यवस्था निष्कर्ष

अध्याय पाँच : मैत्रेयीपुष्पा के उपन्यासों एवं कहानियों में ग्राम्य समाज की समस्याएँ **241–286**

(क) मैत्रेयीपुष्पा के उपन्यासों में ग्रामीण समाज की समस्याएँ

5.1 वैयक्तिक एवं पारिवारिक समस्याएँ
5.2 सामाजिक समस्याएँ
5.3 आर्थिक समस्याएँ
5.4 शैक्षणिक समस्याएँ
5.5 यौन शोषण की समस्याएँ

5.6 दहेज समस्या / बेमेल विवाह
5.7 विधवा एवं परित्यवता समस्या
5.8 सार्वजनिक जीवन में बढ़ते भ्रष्टाचार की समस्या
5.9 ग्रामीण एवं महानगरी जीवन की समस्याएँ
5.10 जातिगत एवं वर्गगत समस्याएँ
5.11 धार्मिक रूढ़ियों तथा प्रथाओं अंधविश्वासों की समस्याएँ

(ब) मैत्रेयीपुष्पा की कहानियों में ग्रामीण समाज की समस्याएँ

5.1 वैयक्तिक एवं पारिवारिक समस्याएँ
5.2 सामाजिक समस्याएँ
5.3 आर्थिक समस्याएँ
5.4 शैक्षणिक समस्याएँ
5.5 यौन शोषण की समस्याएँ
5.6 दहेज समस्या / बेमेल विवाह
5.7 विधवा एवं परित्यवता समस्या
5.8 सार्वजनिक जीवन में बढ़ते भ्रष्टाचार की समस्या
5.9 ग्रामीण एवं महानगरी जीवन की समस्याएँ
5.10 जातिगत एवं वर्गगत समस्याएँ
5.11 धार्मिक रूढ़ियों तथा प्रथाओं अंधविश्वासों की समस्याएनिष्कर्ष

अध्याय छ : मैत्रेयीपुष्पा के कथा साहित्य का शिल्प विधान 288–342

(उपन्यास एवं कहानियों के संदर्भ में)

6.1 भाषिक वैशिष्टय
6.2 शब्द विन्यास
6.3 पद विन्यास
6.4 मुहावरों, कहावतों एवं लोकोक्तियों का प्रयोग
6.5 पात्रों का मनोवैज्ञानिक चित्रण
6.6 प्रतीक विधान
6.7 बिम्ब विधान
6.8 औपन्यासिक संरचना
6.9 मैत्रेयीपुष्पा के कथा साहित्य का समग्र प्रभाव
6.10 मैत्रेयीपुष्पा के कथा साहित्य का समकालीन हिन्दी कथा साहित्य को अवदान निष्कर्ष

अध्याय–सात : उपसंहार 344–362

संदर्भ ग्रन्थ सूची 364–370